NT>

Title: > Need to strengthen the village defence committee and deploy more security forces to the militant affected areas of the Jammu and Kashmir.>

श्री चमन लाल गुप्त (ऊधमपुर): २० और २१ मार्च के दिन जब प्रधान मंत्री जी पाकिस्तान की सदभावना यात्रा पर गये हुए थे, उन दो दिनों में मेरे संसदीय क्षेत्र में २६ लोग मौत के घाट उतारे गये थे। ये घटनाएं पाकिस्तान की आई.एस.आई. के ट्रेंड एजेंटों ने की थी। ये दुर्घटनाएं चैसाना, बरियाना और ऊपर के पहाड़ी क्षेत्रों में हुई हैं। वहां मैंने अपनी आंखों से जाकर देखा है कि एक परिवार के अंदर केवल चार बच्चे बाकी बचे हैं। जिनमें छोटे बच्चे की आयु मात्र डेढ़ वर्ष और बड़े की आयु ८ वर्ष है। मैं सरकार से मांग करता हूं कि इनकी पढ़ाई और आगामी जिंदगी की सुख-सुविधा के सरकार को कोई न कोई फंड क्रियेट करना पड़ेगा।

दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि पिछले एक वर्ष के अंदर आठ नरसंहार हुए हैं। प्राणकोट के अंदर २६ लोग मारे गये हैं। इसी तरह से कल माड़ी के अंदर २५ लोग मारे गये हैं, किश्तवार के अंदर २५ लोग मारे गये हैं। इस तरह की घटनाओं का मुकाबला लोकल लोग ही कर सकते हैं। इस तरह की घटनाओं का मुकाबला न कोई पैरा-मिलिट्री-फोर्स कर सकती है, न बी.एस.एफ. कर सकती है। वहां विलेज डिफेंस

कमेटियां बनाई जाएं, जैसा कि सरकार ने बनानी शुरू की हैं। हरेक विलेज डिफेंस कमेटी को सोफिस्टिकेटेड हथियार, वायरलैस सैट दिए जाएं और जो वहां ि वलेज डिफेंस कमेटी का व्यक्ति हो उसे कम से कम एक हजार रुपया महीना ऑनरेरियम मिले, ताकि वह अपनी सुरक्षा स्वयं कर सके। दूसरी तरफ फोर्सिज को बढ़ाया जाए ताकि वे मिलिटेंटस का, जो लोगों को माइग्रेट होने पर मजबूर कर रहे हैं, मुकाबला कर सकें। चार लाख लोग कश्मीर से माइग्रेट हुए हैं और जम्मू से माइग्रेट होने शुरू हो गये हैं। इसको रोका तभी जा सकता है जब सरकार इसकी ओर ध्यान दे और विलेज डिफेंस कमेटियों को मजबूत करे तथा फोर्सिज को बढ़ाकर उनको फ्री-हैंड दे।

>SHRI RAM NAIK : Mr. Deputy-Speaker, Sir, for the information of the House and also the hon. Member, I would like to inform that already there is a Calling Attention on this issue in today's List of Business. The Home Minister will be making a statement on this issue, about which the hon. Member has raised now.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now I call Shri S. Ajaya Kumar to raise his issue.